एक सच्ची सैक्सी कहानी

हैलो, दोस्तो

मेरा नाम रोहित शर्मा है और यह मेरी पहली कहानी है। मैने अन्तरवासना में बहुत सी कहानी पढी कई अच्छी लगी और कई कोरी बकवास लगी। तो मैं अपनी कहानी शुरू करता हूँ

मेरा पूरा नाम रोहित कुमार शर्मा है मैं एक सयुक्त परिवार में रहता हू मेरे पापा के छः भाई है और हम चार भाई है। जिसमें में 2 नम्बर का हूँ हम सब परिवार वाले एक साथ ही रहते है। मेरे बडे भाई की शादी आज से करीब 4 साल पहले जयपुर में ही सीताबाडी में हुई थी। मेरा ऑफिस भाभी के घर सीताबाडी के पास होने के कारण भाभी को मैं ही उनके घर पर छोड देता और शाम को वापस अपने साथ घर पर ही लेकर आता था। जिसकी वजह से भाभी के घर वाले मेरे बहुत करीब थे भाभी के पिता जी की मृत्यु शादी के चार महीने बाद ही हो गई थी उनके घर में उनकी माता जी उनका एक भाई और दो छोटी बहन थी। भाभी के छोटी बहनों में से एक बहन नीलम थी जिसकी उम्र 16–17 साल थी होने को तो वह नाबालिग थी परन्तु उसकी शरीर की बनावट को देखकर नही लगता था कि वह नाबालिग है सावला रंग, छोटे–छोटे नोकदार बूब्स, तीखी आंखे, सुन्दर कद–काठी, बाते करने का तरीका आकर्षक। जैसे–जैसे वह जवानी की तहलीज पर कदम रख रही थी वैसे–वैसे ही बहुत सैक्सी होती जा रही थी।

मैं एक दयालु और नेक दिल इन्सान हुँ हमेशा जरूरतमन्द लोगो की मदद करना पसन्द करता हूँ भाभी के पिताजी कि मृत्यु के बाद भाभी के घर पर मुसीबत का पहाड टूट पडा। भाभी के पिताजी एक सरकारी नौकर थे तथा उनकी माता जी जो कि एक अनपढ औरत थी। भाभी के घर पर काफी आर्थिक तगी आगई उन दिनो मैने भाभी के परिवार का पूरा साथ दिया हर तरह की मदद की तथा भाभी की माताजी को उनके पति के जगह नौकरी दिलवाने में मदद की तथा भाभी के घर उन दिनो ज्यादा आना–जाना होने की वजह से उनके घर के सभी सदस्य मुझसे काफी घुलमिल गये थे खासतौर पर नीलम से। मैने कभी भी नीलम को गंन्दी निगाहों से नही देखा वह मुझसे काफी घुलीमिली हुई थी और मुझसे बहुत बाते करती थी और मुझे भी उससे बाते करने में बहुत मजा आता था एक दिन उनके घर पर नया फोन लगा तो हम घण्टो फोन पर बाते करते थे पता ही नही चला कि वह मुझे पसन्द करने लगी लेकिन मेरे मन में उनके लिये सिर्फ एक दोस्त की जगह थी और एक दिन उसने मुझे अपने प्यार का इजहार कर दिया पर मैने जवाब नही दिया पर उस दिन मैने उसे गौर से देखा सावला रंग, तीखी आंखे, छोटे–छोटे नोकदार बूब्स, सुन्दर और आकर्षक कद–काठी और उसकी इस यौवन को देख कर मैं अपने आप को नहीं रोक पाया और एक–दो दिन बाद मैने अपने प्यार का इजहार कर दिया। हम एक–दूसरे से घण्टो फोन पर बात करते, तथा जब भी मैं उनके घर पर जाता तो उसकी यौवन को देखता ही रह

जाता और मेरे मन में उसी वक्त उसको चोदने की इच्छा पैदा हो जाती परन्तु नजदीकी रिश्ता होने की वजह से मन में थोडा डर था फिर एक दिन मैने उससे कही बाहर घूमने की इच्छा जाहिर की तो वह पहले तो ना करती रही फिर मेरे ज्यादा जोर देने पर मान गयी उस दिन हम पहली बार साथ–साथ कही घूमने गये मैने उसको एक रेस्टोरेन्ट में ले गया वहा उसको अपने पास वाली सीट पर ही बैठने को कहा तथा उसके बैठने के बाद उसकी जांघों पर अपना हाथ रख दिया उसके विरोध ना करने पर धीरे–धीरे उसके छोटे–छोटे बूब्स पर हल्के–हल्के हाथ फेरने लगा तथा तब भी उसके विरोध नही करने पर उसके सांवल पर बहुत सैक्सी होठो पर एक जोरदार किस की हम एक रेस्टोरेन्ट के एक केबिन मैं बैठे थे इसलिये हमको कोई नही देख रहा था तथा आईसक्रीम खाने के बाद मैने उसे अपनी बाहों में भर लिया तब वह शर्म के कारण उसने अपने हाथों से अपना चेहरा ढक लिया तब मैने अपने हाथो से उसके चेहरे पर हाथ हटाये और उसकी आंखों में देखा तो ऐसा लगा कि उसकी आंखों में एक चमक है तथा मेरे पूछने पर कि जो भी मैने किया उसको बुरा लगा तो वह शर्मा गयी और कहा कि मुझे बहुत अच्छा लगा। फिर मैने उसको उसके घर पर छोड दिया तथा उस दिन के बाद मैं उसको चोदने के लिये बेताब हो गया तथा मौके की तलाश में रहने लगा कि कब उसको चोदू मै उसको किसी होटल में नही ले जा सकता था और ना ही उसके घर पर उसको चोद सकता था तब मैने मन मैं एक ख्याल आया कि मेरा ऑफिस जो कि तीन मंजिल था तथा मेरा ऑफिस प्रथम तल पर था तथा मेरे बॉस के केबिन में एक छोटा पंलग था।

फिर वो दिन आ ही गया जिस दिन मैने उसको चोदा वह दिन था सण्डे का जिसे दिन मेरे ऑफिस की छुट्टी थी और मैने उस दिन मैने ऑफिस की चाबी अपने पास ही गार्ड से लेकर रख ली तथा शनिवार को नीलम से मिलने का वादा ले लिया था तथा वादा अनुसार तथा मेरे प्लान के अनुसार वह सण्डे को सुबह 11 बजे मुझसे मिलने आई मैं उसको लेकर पहले वही पुराने रेस्टोरेन्ट में ले गया उस दिन नीलम बहुत सैक्सी और सुन्दर लग रही थी उस दिन उसने बाउन कलर की लिपिस्टक और पीले रंग का सलवार–सूट पहन रखा था मेरी इच्छा उसको वही चोदने की कर रही थी। उसके बाद मैने अपने फोन पर फोन आना का नाटक कर उसके कहा कि मुझे अभी ऑफिस जाकर एक जरूरी फाईल बॉस के घर पहुचानी हैं और मै अपने साथ नीलम को भी अपने ऑफिस में ले आया तथा ऑफिस में आने के बाद मैं उसे अपने बॉस के केबिन में ले गया वहा पर मैने एक फाईल उठा कर नीलम की ओर देखा और कहा नीलम आज आप बहुत सुन्दर लग रही और उसको अपनी बाहों में भर लिया तथा वही पर पंलग पर लेटा दिया नीलम ने हल्का सा विरोध किया पर मुझ पर तो उसको चोदने का भूत सवार हो रहा था मैने नीलम के बूब्स पर अपने हाथ रख दिये और उनको जोर–जोर से दबाने लगा तो नीलम बोली रोहित मुझे बहुत दर्द हो रहा और अच्छा भी लग रहा फिर मैने उसके होठो को चूसाना चालू कर दिया तथा उसके बाद उसकी सलवार उतार दी उसने एक काली कलर की ब्रा पहन रखी थी जिससे में से उसके छोटे–छोटे बूब्स साफ दिखाई दे रहे थे मुझसे रहा नहीं गया और मै उसके

बूब्सों पर टूट पडा अब नीलम भी पूरे जोश आ रही थी उसके बाद मैने उसकी ब्रा और उसकी सलवार को भी उतार दिया तथा उसकी चूत पर हल्का–हल्का हाथ घुमाने लगा तथा उसके बाद उसकी काली चढडी को भी उतार दिया अब नीलम पूरी तरह से मेरा सामने नगी थी कमाल का जिस्म था उसके बाद मै भी पूरा नगा हो गया तथा मेरा लण्ड एक झटके के साथ बाहर आ गया और 8 इन्च का लण्ड देख कर नीलम डर गई और बोली तुम तो मेरी जान ही लोग मैने कहा मेरी जान कुछ भी नही होगा तथा उसके बाद मैने नीलम के पूरे बदन को चूमना चालू कर दिया तथा अपनी अगुली उसकी चूत में डालनी शुरू कर दी जिससे नीलम पूरी तरह से बेकाबू हो गयी और बोली रोहित मेरी चूत फाड दो, तब उसने मुझे बताया कि वह उसे दिन से मुझे पसन्द करती है जिस दिन में उसके घर पहली बार आया था। मैने बिना मौका गवाये उसकी चूत पर अपना लण्ड रखा जो अब तब पूरी तरह खडा हो चुका था और एक धक्का लगाया परन्तु नीलम की चूत टाईट होने की वजह से मेरा लण्ड उसकी चूत में नही घुस पाया फिर दुबारा मैने कोशिश की और अपने लण्ड को उसकी चूत पर रख कर इस बार जोर से धक्का मारा और मेरा लण्ड आधा नीलम की चूत में घुस गया और वह दर्द के मार चिल्लाई तो मैने मुह पर हाथ रख दिया तथा एक और धक्का के साथ मेरा पूरा लण्ड उसकी चूत में समा गया और वह दर्द के मारे जोर से चिल्लाने लगी तो मैने अपने हाथो से उसका मुह पकड लिया और कहा नीलम जरा धीरे तो नीलम बोली रोहित बहुत दर्द हो रहा है मैने कहा कि अब दर्द नही होगा अब मजा आयेगा उसके बाद मैने नीलम की चूत में लण्ड अन्दर–बाहर करने लगा तब नीलम को मजा आने लगा तथा वह भी अपनी कमर ऊपर–नीचे करके मेरा साथ देने लगी करीब 10 मिनट तक ऐसा करने के बार मेरा वीर्य उसकी चूत में छुट गया। तथा कुछ देर नगे पडे रहने के बाद हम दोनो ऑफिस के बाथरूम में नहाने चले गये नहाने के बाद मैने पंलग पर से चादर हटाई जो खून से पूरी गन्दी हो चुकी थी उसके मेरा लण्ड दुबार खडा होगया तथा नीलम के पूरे सहयोग के जरिये मैने नीलम को 3 बार ओर चोदा कभी तो डोगी तरीके से कभी अपने ऊपर आदि।

हमारे यह खेल तकरीबन 2 साल तक चला उसके बाद मेरी भाभी को पता चल जाने की वजह हमारा यह खेल खत्म हो गया। आज नीलम की शादी हो गई परन्तु वह आज भी मुझसे चुदवाने की लिये तैयार परन्तु भाभी के डर से मैने उसको छोड दिया।

तो दोस्तों बताने आपको मेरी यह दास्तान कैसी लगी। इसकी बाद मैने 2 और लडकियों को चौदा पर नीलम जैसा मजा नही आया अगर आप मैसे कोई लडकी भाभी आटी ऐसी हो तो मुझसे सम्पर्क करे मेरा ई–मेल है :– **rohitlove43@yahoo.com**